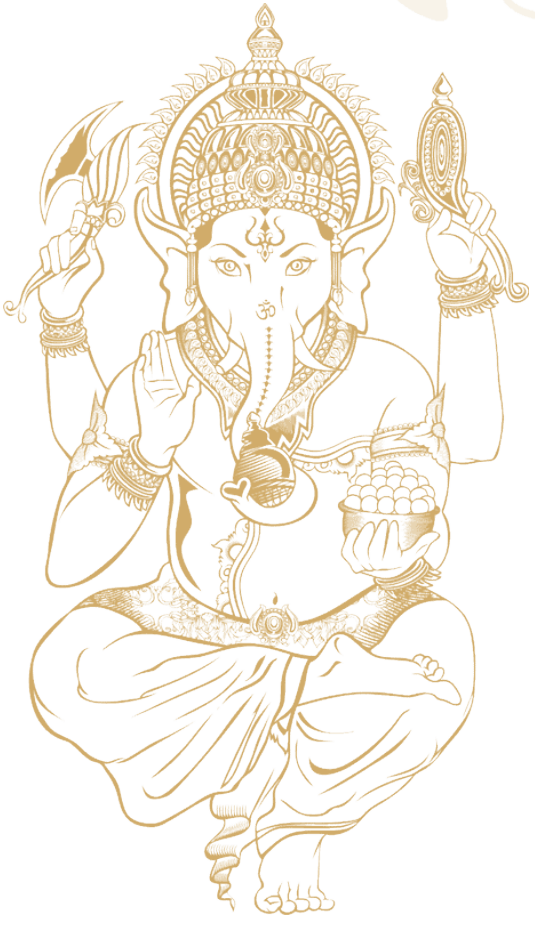

Mr.Tushar bairagi

Ms.Asmita vaishnav

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119643103

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
17/06/1997	जन्म तिथि	08/08/1998
मंगलवार	दिन	शनिवार
घंटे 10:10:00	जन्म समय	06:15:00 घंटे
घटी 11:56:54	जन्म समय(घटी)	01:11:53 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:23:14	सूर्योदय	05:46:14
19:20:49	सूर्यास्त	19:06:50
23:49:15	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:08

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 3वर्ष 10मा 11दि	03:33:48	सिंह	लग्न	कर्क	26:45:40	चन्द्र 1वर्ष 11मा 22दि
शनि	02:13:01	मिथु	सूर्य	कर्क	21:27:38	गुरु
29/04/2017	17:08:10	तुला	चंद्र	मक	20:41:43	31/07/2025
29/04/2036	05:15:08	कन्या	मंगल	मिथु	27:52:32	31/07/2041
शनि 02/05/2020	21:54:01	वृष	बुध व	सिंह	01:46:17	गुरु 18/09/2027
बुध 10/01/2023	28:02:15	मक व	गुरु व	मीन	03:30:45	शनि 31/03/2030
केतु 19/02/2024	22:04:42	मिथु	शुक्र	मिथु	29:38:09	बुध 06/07/2032
शुक्र 20/04/2027	24:49:55	मीन	शनि	मेष	09:44:25	केतु 12/06/2033
सूर्य 01/04/2028	00:26:20	कन्या व	राहु व	सिंह	07:37:35	शुक्र 11/02/2036
चन्द्र 01/11/2029	00:26:20	मीन व	केतु व	कुंभ	07:37:35	सूर्य 29/11/2036
मंगल 11/12/2030	14:22:30	मक व	हर्ष व	मक	16:44:32	चन्द्र 31/03/2038
राहु 16/10/2033	05:36:14	मक व	नेप व	मक	06:31:51	मंगल 07/03/2039
गुरु 29/04/2036	09:48:18	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	11:28:45	राहु 31/07/2041

लग्न-चलित

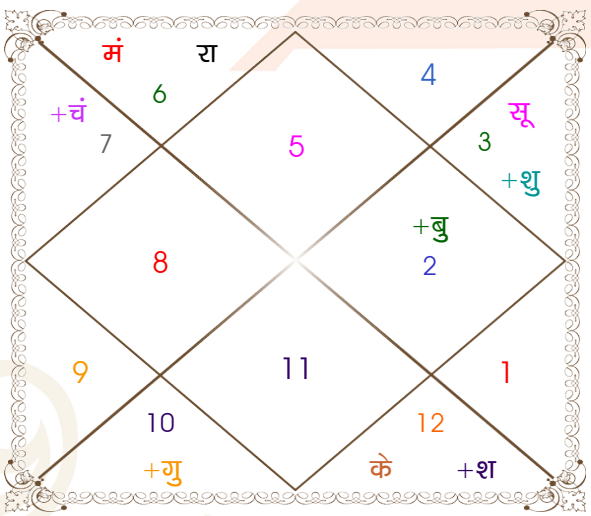

लग्न-चलित

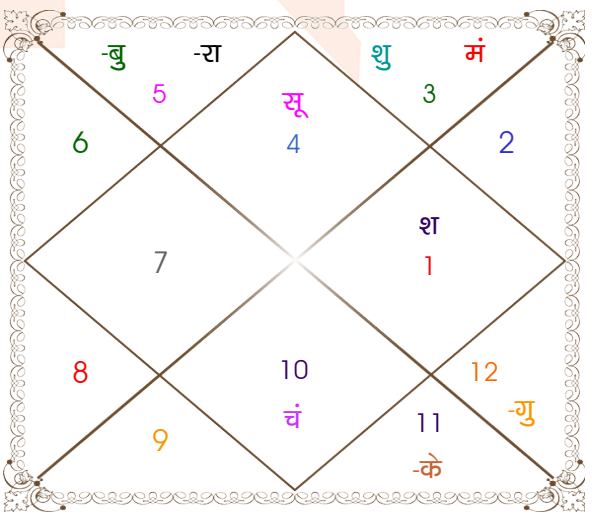

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.50		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि डेण्ेाउपजं अंपेीदंअ का नक्षत्र श्रवण है।

डतण्ज्नींत इंपतंहप का वर्ग सर्प है तथा डेण्ेाउपजं अंपेीदंअ का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्ज्नींत इंपतंहप और डेण्ेाउपजं अंपेीदंअ का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्ज्नींत इंपतंहप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

डेण्ेाउपजं अंपेीदंअ मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डेण्ेाउपजं अंपेीदंअ कि कुण्डली में द्वादश भाव में मिथुन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डतण्ज्नींत इंपतंहप तथा डेण्ेाउपजं अंपेीदंअ में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।